5

मिल गई परी

15/6/21

पाठ-5 पुस्तक अभ्यास 18/6/24

3. सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

क. लकड़हारा कहाँ रहता था?

i. झोंपड़ी में ☐ ii. महल में ☐ iii. जंगल में ☑

ख. लकड़हारे ने घायल अवस्था में किसको देखा?

i. मोर को ☐ ii. परी को ☐ iii. चिड़िया को ☑

ग. लकड़हारे की माँ ने परी से क्या माँगने को कहा?

i. आँखों की रोशनी ☑ ii. धन-संपत्ति ☐ iii. पोता-पोती ☐

4. **कहानी के घटनाक्रम के अनुसार वाक्य पढ़कर उनके सामने सही क्रम संख्या 1,2,3..... लि**

क. उसे अपने घर पर रखने का मन बना लिया। (3)

ख. उसने पूरी झोंपड़ी छान मारी, पर चिड़िया कहीं भी दिखाई न दी। (4)

ग. परी ने लकड़हारे की इच्छा को पूरा कर दिया। (7)

घ. उसकी माँ अपने पोते-पोतियों को खेलते देख फूली नहीं समाती थी। (8)

ङ. लकड़हारा जंगल के पास झोंपड़ी में रहता था। (1)

च. उसने एक घायल चिड़िया को देखा। (2)

छ. मैं एक परी हूँ। (5)

ज. परी लकड़हारे की बुद्धिमत्ता और सूझ-बूझ से बहुत प्रभावित हुई। (6)

इन पर विचार करो

बुद्धिमान लकड़हारा

1. आपके अनुसार कहानी का नया शीर्षक क्या हो सकता है? कारण सहित बताओ।

2. "हमें सदैव घायल प्राणियों की मदद करनी चाहिए।" इस कथन पर अपने मित्रों के साथ बातचीत

प्रशंसा-योग्य

- "अपने जीवन में आप कितने खुश हैं, इस बात से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके कितने लोग खुश हैं।" लकड़हारा एक गरीब व्यक्ति था और मेहनत से अपना और अपने परिवा पेट भर पाता था। उसने एक दयालु व्यक्ति की तरह घायल चिड़िया के प्राणों की रक्षा कर उ देखभाल की, जिसके बदले उस घायल चिड़िया के वेश में परी ने खुश होकर न केवल धन्यवाद बल्कि उसके जीवन के दुख भी दूर कर दिए। कई बार हमें अपने आस-पास ऐसे ही असहाय देखने को मिलते हैं, यदि आप उनकी सहायता और सेवा करके उनके चेहरे पर खुशी ला सको तो बेहतर और कुछ नहीं।

जानी-अनजानी बातें

- आचार्य चाणक्य के अनुसार समझदार इनसान वही है जो विषम परिस्थितियों में भी सहज और सामान्य रहे। चाहे जैसी भी समस्या हो, उसका हल अपनी सूझ-बूझ के बल पर आसानी से निकाल ले। किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति को दूर करने की क्षमता जिस व्यक्ति में होती है, वही समझदार होता है। जो व्यक्ति हालात और समय में छिपे संकेतों को समझ ले, वही समझदार है।
- निश्छल प्रेम, आदर, दया, सहृदयता, ईमानदारी, झूठ न बोलना आदि कुछ ऐसे गुण हैं जो मनुष्य को पशुओं से अलग करते हैं और मनुष्य को एक बेहतर इनसान भी बनाते हैं। हम सभी को इन गुणों को अपनाकर एक श्रेष्ठ मनुष्य बनने का प्रयास करना चाहिए।

भाषा से

श्रुतलेख

लकड़हारा, नेत्रहीन, अंधापन, संपन्नता, वरदान, गुज़ारा, संतान, हैरान, झोंपड़ी

1. विलोम शब्द लिखो—

सहमत × असहमत	गरीब × अमीर	वरदान × अभिशाप
बुद्धिमान × मूर्ख	जीवित × मृत	इच्छा × अनिच्छा

2. वचन बदलो—

चिड़िया – चिड़ियाँ	लकड़ी – लकड़ियाँ	बूँद – बूँदें
झोंपड़ी – झोंपड़ियाँ	परी – परियाँ	बच्चा – बच्चे

3. लिंग बदलो—

लकड़हारा – लकड़हारिन	धोबी – धोबिन	तेली – तेलिन
सुनार – सुनारिन	नाग – नागिन	माली – मालिन

4. देखो, समझो और नए शब्द बनाओ—

गरीब + ई = गरीबी	अमीर + ई = अमीरी
खुश + ई = खुशी	व्यापार + ई = व्यापारी
दुख + ई = दुखी	परेशान + ई = परेशानी

5. **दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्द रेखांकित करो–**

क. वह लकड़ियाँ बेचने बाज़ार जाता था।

ख. उसने एक घायल चिड़िया को देखा।

ग. वह बहुत दुखी हुआ।

घ. वह चिड़िया एक परी बन गई।

ङ. लकड़हारे को एक उपाय सूझा।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. कहानी में अगर लकड़हारा उस घायल चिड़िया के प्राणों की रक्षा न करता, तो क्या होता? इस वि पर कक्षा में अपने-अपने विचार प्रकट करो।
2. कल्पना कीजिए कि यदि कहीं किसी दिन आपका सामना किसी परी से हो जाए, तो आप उससे वरदान माँगना चाहेंगे और क्यों? बताइए।
3. दिए गए वेबलिंक पर जाकर रोचक कहानियाँ पढ़ो और कक्षा में हाव-भाव के साथ सुनाओ– https://www.bharatdarshan.co.nz/magazine/articles/370/baal-kath kahani-sangrah.html
4. दिए गए चित्र के आधार पर कहानी लिखो।

हमने क्या सीखा

1. हमें असहायों की सहायता एवं रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।
2. अपनी समझ व सूझ-बूझ के बल पर हम असंभव कार्य को भी संभव बना सकते हैं।